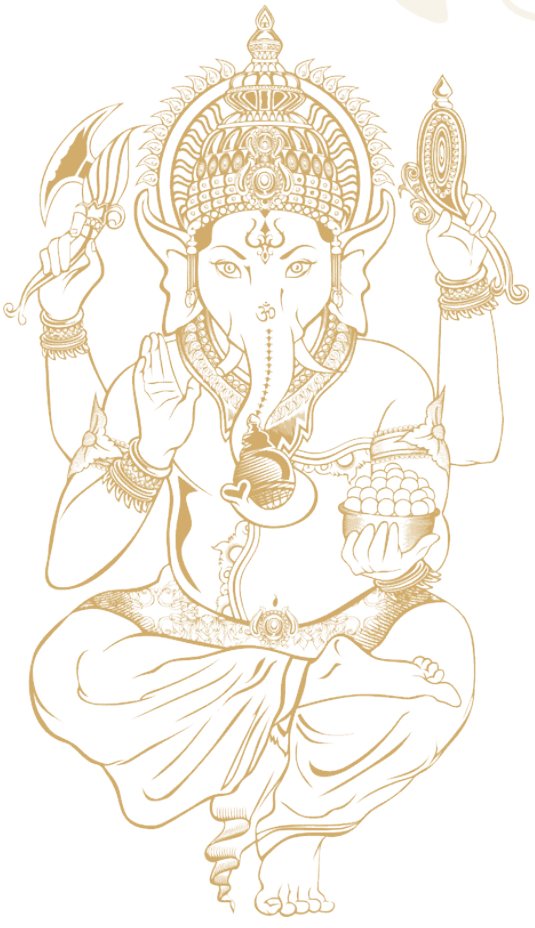

Mr.Vineet Sangwan

Ms.Megha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120443902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/06/1997	जन्म तिथि	11/08/1995
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 01:55:00	जन्म समय	11:00:00 घंटे
घटी 51:16:26	जन्म समय(घटी)	12:57:37 घटी
India	देश	India
Bahadurgarh	स्थान	Panipat
28:42:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
76:54:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:24	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:25	सूर्योदय	05:47:37
19:17:38	सूर्यास्त	19:06:40
23:49:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:55

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 6वर्ष 3मा 24दि		15:23:29	मीन	लग्न	तुला	01:12:30	मंगल 3वर्ष 1मा 27दि	
राहु		20:24:59	वृष	सूर्य	कर्क	24:18:07	गुरु	
29/09/2010		14:54:34	वृष	चंद्र	कुंभ	00:39:00	07/10/2016	
28/09/2028		00:25:53	कन्या	मंगल	कन्या	18:50:04	07/10/2032	
राहु	11/06/2013	29:20:23	मेष	बुध	सिंह	08:23:24	गुरु	25/11/2018
गुरु	05/11/2015	28:04:39	मक	गुरु	वृश्चि	11:50:37	शनि	08/06/2021
शनि	11/09/2018	07:00:05	मिथु	शुक्र	कर्क	21:36:36	बुध	14/09/2023
बुध	30/03/2021	23:50:55	मीन	शनि व	कुंभ	29:55:35	केतु	19/08/2024
केतु	18/04/2022	01:34:48	कन्या व	राहु व	तुला	05:21:15	शुक्र	20/04/2027
शुक्र	17/04/2025	01:34:48	मीन व	केतु व	मेष	05:21:15	सूर्य	07/02/2028
सूर्य	12/03/2026	14:38:51	मक व	हर्ष व	मक	03:53:55	चन्द्र	08/06/2029
चन्द्र	11/09/2027	05:50:27	मक व	नेप व	धनु	29:42:47	मंगल	15/05/2030
मंगल	28/09/2028	10:07:33	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	04:01:11	राहु	07/10/2032

लग्न-चलित

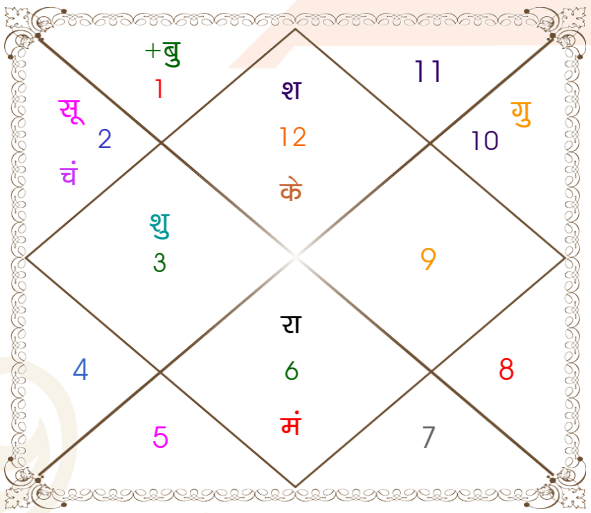

लग्न-चलित

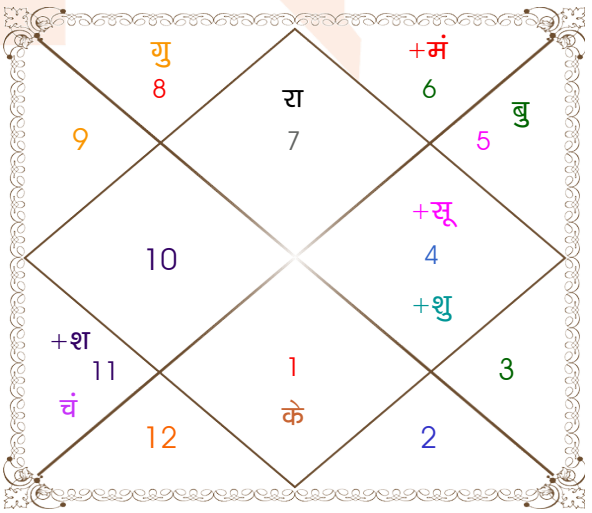

Ghanshyam das garg
L-4/1 II-Floor Gali -No-23 Mahendra park Najdik Adarsh Nagar-Delhi-110033
9899067531

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

डतण्टपदममजॅदहूंद का वर्ग मृग है तथा डेण्डमहीं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गो में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्टपदममजॅदहूंद और डेण्डमहीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्टपदममजॅदहूंद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डतण्टपदममजॅदहूंद कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण्टपदममजॅदहूंद कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्डमहीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्डमहीं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्टपदममजैं दहूंद तथा डेण्डमहीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Ghanshyam das garg
L-4/1 II-Floor Gali -No-23 Mahendra park Najdik Adarsh Nagar-Delhi-110033
9899067531